भाकृअनुप-आईआईएसडब्ल्यूसी, देहरादून द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर एक दिवसीय फील्ड प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

5 जून, 2023, देहरादून

भाकृअनुप-आईआईएसडब्ल्यूसी, देहरादून के वैज्ञानिकों की एक टीम द्वारा खतार पंचायत, कालसी ब्लॉक, देहरादून में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर्यावरण की रक्षा के लिए विश्वव्यापी जागरूकता एवं कार्रवाई को प्रोत्साहित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र दिवस है। यह दिवस 1973 से प्रत्येक वर्ष 5 जून को मनाया जाता है। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की थीम #BeatPlasticPollution अभियान के तहत प्लास्टिक प्रदूषण के समाधान पर केन्द्रित है। दुनिया भर में हर साल 400 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है जिनके आधे उत्पादन केवल एक बार उपयोग करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इनमें से 10 फीसदी से भी कम की रीसाइक्लिंग होती है। एक अनुमान के अनुसार 19-23 मिलियन टन सालाना झीलों, नदियों तथा समुद्रों में समाप्त हो जाते हैं। इनमें से माइक्रो प्लास्टिक, जो 5 मिमी. तक के व्यास वाले प्लास्टिक के छोटे टुकड़े हैं, हमारी खाद्य श्रृंखला में प्रवेश कर रहे हैं।

इस प्रकार, सर्कुलर अर्थव्यवस्था में बदलाव से, 2040 तक महासागरों में प्रवेश करने वाले प्लास्टिक की मात्रा में 80 प्रतिशत से अधिक की कमी आ सकती है। अब लोगों को अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण के अनुकूल वस्तुओं को अपनाने की आवश्यकता है जहां सभी कपड़े/ जूट की थैलियों का उपयोग करके अपने प्लास्टिक के उपयोग को कम कर सकते हैं या समाप्त कर सकते हैं।

इस आयोजन को सुंदरैया और कुल्हारा नाम के दो गाँवों में चूने के पौधारोपण अभियान के साथ सफलता पूर्वक मनाया गया, जहाँ 100 पौधे वितरित भी किए गए। इस वर्ष के विषय प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ जागरूकता के संबंध में ग्रामीणों द्वारा शपथ ली गई।

पूरे कार्यक्रम का समन्वयन, डॉ. इंदुरावत, डॉ. तृषारॉय, डॉ. अनुपम बरह, डॉ. सादिकुल इस्लाम और डॉ. देवीदीन यादव ने किया तथा आंगनबाड़ी, खातर की श्रीमती सुमित्रा भंडारी और श्रीमती संता देवी ने सहयोग कियाI

कार्यक्रम का संचालन, के नेतृत्व में किया गया किया।

(स्रोतः भाकृअनुप-आईआईएसडब्ल्यूसी, देहरादून)